मोर्शी परिसर में बनेगा संतरा प्रक्रिया प्रकल्प

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

मोर्शी, 22 दिसंबर - नवनिर्वाचित विधायक उमेश यावलकर ने संतरा उत्पादक किसानों की समस्याएं सदन के समक्ष रखीं. वरुड़-मोर्शी तहसील में सर्वाधिक संतरा उत्पादक किसान रहते हुए भी अभी तक संतरा प्रक्रिया प्रकल्प न बनने से किसानों को सस्ते दाम पर संतरे बेचने पड़ते हैं, इसलिए विधायक यावलकर ने संतरा प्रक्रिया प्रकल्प स्थापित कर किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग की. विदर्भ के कैलिफोनिया मोर्शी तहसील के दापोरी परिसर के ठानाठुनी में 100 एकड़ से अधिक क्षेत्र में गत 8 वर्षों से जैन इरिगेशन, कोकाकोला व सरकार द्वारा उन्नति प्रकल्प कब पूर्ण होगा, ऐसा सवाल संतरा उत्पादक पूछ रहे हैं.

मोर्शी-वरुड़ तहसील में संतरे का ज्यादा उत्पादन रहते हुए भी प्रक्रिया उद्योग का अभाव, संतरे की घटी हुई मांग व बांग्लादेश की नीति से महाराष्ट्र के किसानों की समस्याएं

8 वर्षों से अधूरा पड़ा है ठानाठुनी प्रकल्प

बढ़ती जा रही हैं. बांग्लादेश ने आयात शुल्क बढ़ाने से निर्यात कम हो गया है, परिणामस्वरूप किसानों का नुकसान हो रहा है, उसी में बाजार में बढ़ी संतरे की आवक से दाम लुढ़क गए हैं.

बाजार में छोटे संतरों की ज्यादा डिमांड नहीं है, इसलिए अच्छा दाम नहीं मिल रहा है. 1.5 लाख हेक्टेयर में उत्पादित संतरों पर प्रक्रिया करने के लिए जैन फार्म फ्रेश फूड व हिंदुस्तान कोकाकोला बेवरेज में मोर्शी तहसील के ठानाठुनी में ऑरेंज उन्नति प्रकल्प की नींव 31 अगस्त 2016 व 30 दिसंबर 2016 को रखी थी. इन प्रकल्पों में मध्यम व छोटे संतरों का जूस निकालकर विविध उत्पादन तथा स्वतंत्र उत्पादन किया जाने वाला था. लेकिन 8 साल बाद भी यह प्रकल्प पूर्ण नहीं हो पाया. प्रकल्प के बजाय वहां पर सिर्फ नर्सरी बनाई गई है.

किसानों को प्रति कलम 250 रुपए के भाव से वैलेसिया नामक संतरे के कलम के पौधे बेचे गए हैं. उन पेड़ों को अभी फल लगने लगे हैं, लेकिन यह संतरे खरीदने के लिए कोई तैयार नहीं है. क्योंकि उसका आकार मध्यम तथा छोटा है.

दोनों प्रकल्प अगर क्रियान्वित होते तो छोटे संतरे की समस्या हल हो

जल्द से जल्द प्रकल्प शुरू करने का प्रयास

दापोरी परिसर के ठानाठुनी में प्रस्तावित संतरा प्रक्रिया प्रकल्प तुरंत पूर्ण होना आवाश्यक है. उसे पूर्ण करने सरकार से आग्रह कर शुरू करने का प्रयास लगातार करता रहूंगा.

उमेश यावलकर, विधायक मोर्शी

सकती थी, अब नए से स्थापित सरकार ने हिवरखेड दापोरी परिसर का संतरा उन्नति प्रकल्प युद्धस्तर पर पूर्ण कर संतरा उत्पादकों को राहत दिलाने की मांग विधायक उमेश उर्फ चंदू यावलकर ने की है. तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में इस प्रकल्प का उद्घाटन हुआ था, लेकिन अभी तक वहां पर कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है, इस बात की ओर विधायक यावलकर ने सभी का ध्यान आकर्षित किया.

खाटिक समाज का परिचय सम्मेलन 11 को

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 दिसंबर - विदर्भ खाटिक समाजसेवा समिति, अमरावती की ओर से 11 जनवरी को दोपहर 12 बजे अमरावती-बडनेरा मार्ग स्थित जाधव पैलेस में खाटिक समाज का वर-वधू और पालक परिचय सम्मेलन आयोजित किया है. सम्मेलन में प्रमुख अतिथि दर्यापुर के विधायक गजानन लवटे, अध्यक्ष के तौर पर सुधीर लसणकर उपस्थित रहेंगे. समाजबंधुओं से अपने विवाह योग्य लड़कों-लड़कियों सहित सम्मेलन में उपस्थित रहने का आवाहन आयोजकों ने किया है.

बहिरम बाबा की यात्रा प्रारंभ

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

परतवाड़ा, 22 दिसंबर - संपूर्ण राज्य में एक माह तक चलने वाली बहिरम बाबा की यात्रा 20 दिसंबर को मंदिर में पूजा-अर्चना करने के साथ प्रारंभ हो गई है. कड़ाके की ठंड के बीच लाखों भक्त बहिरम बाबा के दर्शन करने पहुंच रहे हैं. बच्चे और बड़े मेले का आनंद उठा रहे हैं.

सर्वप्रथम बहिरम बाबा की मूर्ति को शेंदूर, दूध-दही, शहद व मक्खन का अभिषेक किया गया. पूजा के बाद मंदिर के सामने यज्ञ में आहुति दी गई. होम हवन व आरती करने के बाद रोडगे का भोग लगाया गया. पश्चात शंखनाद कर यात्रा प्रारंभ करने के लिए नारियल फोड़ा गया.

दर्शन करने उमड़ रहे भक्त

बहिरम बाबा के दर्शन के लिए हर साल यहां लगने वाले मेले में हजारों भक्त आते हैं. यह यात्रा महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सीमा पर पहाड़ी की तलहटी में बहिरम गांव के पास भरती है. बरसों पहले इस जत्रा में लोग अपनी मन्नतें पूरी करने के लिए आते थे. इस मेले में यात्री जरूरत का सामान भी खरीदते हैं. मेले में बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए हर चीज उपलब्ध है. आसमानी झूले, टूरिस्ट फिल्म टॉकिज, नास्ते और भोजन के होटल तथा गृह उपयोगी सामग्री मेले में मिलती है. साल के आखिर में दिसंबर से जनवरी तक भरने वाली बहिरम बाबा की यात्रा में लाखों भाविक भक्त दूर-दूर से आते हैं.

चांदूर बाजार- कृषि उपज बाजार समिति में नई तुअर खरीदी शुभारंभ 20 दिसंबर से शुरू हो गया है. तुअर को आरंभिक भाव 9510 रूपए मिला. 20 दिसंबर को 2 बोरी तुअर की खरीदी की गई. इस मौके पर प्रफुल्ल खेडकर, मोहन भोंगाडे, अमोल लंगोटे समेत अन्य व्यापारी भी उपस्थित थे.
(फोटो-सागर सवले,चांदूर बाजार)

सीईटी में अव्वल सार्थक जयस्वाल का सत्कार

वर्धा, 22 दिसंबर - शहर के विद्यार्थी सार्थक जयस्वाल ने एमएचटी सीईटी 2024 की परीक्षा में 99.97 प्रश. अंक प्राप्त कर देश में अव्वल क्रमांक प्राप्त किया. उसने पहले ही प्रयास में यह बड़ी सफलता पाई है. देश में अव्वल क्रमांक प्राप्त करने वाले सार्थक जयस्वाल का राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर के हाथों सत्कार किया गया.

वाढोणा के त्र्यंबकराव की 29 वर्षों से अविरत सेवा

संवाददाता/ प्रतिदिन अखबार

धामणगाव रेलवे, 22 दिसंबर- हर दिन अल सुबह चार बजे उठकर हाथ में खुरपी लेकर गांव के एक परिसर में स्वच्छता करने वाले त्र्यंबकराव गायकवाड को वाढोणा के संत गाडगे बाबा की उपाधि मिली हुई है, वे परिसर का कचरा,नाली की गंदगी निकालने का काम सुबह सात बजे तक करते हैं. दूसरे दिन त्र्यंबकराव गायकवाड फिर किसी दूसरे क्षेत्र या गांव में जाकर सफाई का काम करते हैं. ग्राम स्वच्छ करने का संकल्प लेने वाले गायकवाड विगत 29 वर्ष से यह सेवा कार्य कर रहे हैं.

चाहे मानसून हो, गर्मी हो या कड़कड़ाती ठंड, उनके व्रत में कोई रुकावट नहीं आती. त्र्यंबकराव गायकवाड़ एक साधारण जीवन जीते हैं, दो एकड़ के खेत में होने वाली फसल से अपना तथा अपने परिवार के सदस्यों का भरण-पोषण करते हैं.धामणगांव रेलवे तहसील के वाढोणा में पंद्रह सौ की आबादी वाला एक छोटा सा गांव है, बहुत समय पहले, गांव से शेंदुरजना, तालेगांव

चल रहे गाडगेबाबा के पदचिह्नों, मिली उपाधि

तक जाने वाली सड़क बहुत खराब स्थिति में थी. इस सड़क पर बैलगाड़ियां भी ठीक से नहीं चल पाती थीं. गांव के लोग चलते-चलते गिर जाते थे. त्र्यंबकराव इस तस्वीर को देखा करते थे. उनके मन में सदैव यह सवाल उठता रहता था कि इस सड़क को अच्छा कैसे किया जाए.

उन्होंने अकेले ही श्रमदान से सड़क की मरम्मत का काम शुरू किया, जिससे गांव के लोगों को राहत मिली. तभी से गांव में अच्छे रास्ते के लिए संघर्ष शुरू हो गया. चौंतीस वर्ष पूर्व राष्ट्रसंत के सहयोगी तुकारामदादा गीताचार्य राष्ट्रसंत के पुण्य तिथि महोत्सव के दौरान वाढोणा गांव आये थे, उस कार्यक्रम में त्र्यंबकराव भीड़ में कहीं दूर बैठे दादा के विचार सुन रहे थे, उस विचार और तुकारामदादा के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर उन्होंने हर दिन अपने गांव को साफ करने का फैसला किया और आज तक ऐसा ही कर रहे हैं. श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को वे गांव के 345 घरों में व्यक्तिगत रूप से घंटी और फूल पहुंचाते हैं. 20 दिसंबर को गाडगेबाबा की पुण्यतिथि पर वे पालकी निकालते हैं और अनाज की बिक्री से लेकर गांव में कल्याणकारी कार्य करते हैं. त्र्यंबकराव गायकवाड़ की भूमिका को उदाहरण के रूप में लेते हुए यदि गांवों में त्र्यंबकराव जैसे कार्यकर्ता तैयार किए जाएं, तो सरकार को संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता अभियान लागू करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी.

गांव के स्वच्छता दूत बने

त्र्यंबकराव गायकवाड़ गांव के लिए स्वच्छता दूत बन गए हैं, क्योंकि उन्होंने गांव को साफ करने की पहल को गाडगेबाबा के शब्दों 'जातु सर्व भावे, कारू स्वर्ग गाओ' और गाडगेबाबा की अथक सेवा के साथ जुनून और निस्वार्थता के साथ जारी रखा है. - राजू तितरे (वाढोणा)

बचपन से ही त्र्यंबकराव को सफाई करते देखा है

मैं कई वर्षों से वाढ़ोणा गांव में रह रहा हूं और मैंने बचपन से ही त्र्यंबक राव को हर दिन सुबह से ही गांव की अच्छी तरह से सफाई करते देखा है, इतना ही नहीं, बल्कि कूड़े-कचरे को साफ करके ढेर लगाना, गाड़ी में लादकर गांव के बाहर फेंकने की निरंतर की कृति उल्लेखनीय और संत गाडगेबाबा जैसी ही है. -प्रशांत हुडे (सरपंच वाढोणा)

पारिवारिक माहौल में धूमधाम से होगा नववर्ष का स्वागत

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 दिसंबर - नववर्ष को लेकर हर व्यक्ति के दिल में उत्सुकता होती है. आगामी 10 दिन बाद आने वाले नववर्ष के स्वागत की तैयारी शुरू हो चुकी है. जेसीआई अमरावती क्लासिक द्वारा अपने सदस्यों के लिए नववर्ष के स्वागत के लिए 31 दिसंबर की शाम 7 बजे से खंडेलवाल लॉन में पारिवारिक माहौल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

इस कार्यक्रम में छोटे से लेकर बड़े तक हर व्यक्ति के मनोरंजन को लेकर खेल, फूड तथा अन्य की व्यवस्था की गयी है. विशेषकर बच्चों से लेकर बड़ों तक को लुभाने वाले खेलों के साथ परफार्मेन्स तथा डीजे की धुन पर थिरकने का मौका मिलेगा. साथ ही अनलिमिटेड फूड के साथ देरात आतिशबाजी भी होगी. इस आयोजन को लेकर जेसीआई अमरावती क्लासिक की टीम प्रयास कर रही है. अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व तथा पूर्व अध्यक्ष स्वागत मुणोत के सहयोग से लोकेश मालाणी, निखिल राठी, लकिश पनपालिया, रघु परमार, शुभम माहुलीकर, गिरिराज छांगाणी, आशय मालाणी, सागर चांडक, गिरिजा शर्मा, आशीष करुले, नीलेश शर्मा, सौरभ डागा, आशीष मुंधडा, आशीष दहेकर, यश अग्रवाल, तुषार बांगानी, मनोज सारडा, भाविन गगलानी एवं साथी प्रयास कर रहे हैं. पूरी तरह से नॉन अल्कोहॉलिक इस आयोजन में सहभागी होने का अनुरोध आयोजकों ने किया है.

जेसीआई अमरावती क्लासिक का आयोजन

रोजगार के अभाव में 20 हजार मजदूरों का पलायन

मेलघाट में रोजगार गारंटी योजना की उड़ रही धज्जियां

संवाददाता /प्रतिदिन अखबार

धारणी, 22 दिसंबर- आदिवासी बहुल मेलघाट में रोजगार गारंटी योजना की धज्जियां उड़ रही हैं. मेलघाट के पहाड़ों से रोजगार के अभाव में 20 हजार से अधिक आदिवासी मजदूरों ने यहां से पलायन कर लिया है. मेलघाट में रोजगार नहीं होने से मजदूरों को काम नहीं मिलता है. काम की तलाश में रोजी-रोटी के लिए इस जानलेवा ठंड में दर-बदर ठोकरें खाने को मजबूर होना पड़ रहा है. इस मामले में प्रशासन की उदासीनता को लेकर हैरत जताई जा रही है.

मेलघाट में रोजगार गारंटी अधिनियम में यहां पर करोड़ों के घोटाले को अंजाम देकर इस अधिनियम की सरेआम धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं. रोजगार गारंटी अधिनियम में अभी सभी मजदूरों की मजदूरी बैंक खाते में ऑनलाइन दी

जा रही है, पर यहां मजदूरी किन मजदूरों के खाते में जा रही है, यह कभी किसी अफसर ने देखा नहीं. मेलघाट के कई इलाकों में नेटवर्क नहीं होने से ऑनलाइन मस्टर मजदूरों को देखने नहीं मिलता. मेलघाट में रोजगार गारंटी योजना के तहत काम कर रहे मजदूरों को अब रोजगार गारंटी अधिनियम पर भरोसा नहीं रहा है.

रोजगार गारंटी योजना में काम करने की बजाय यहां के आदिवासी

रिकॉर्ड ग्रामसभा को देंगे

सभी ग्राम पंचायत के रोजगार गारंटी अधिनियम के मस्टर अब मजदूरों को सार्वजनिक रूप से देखने के लिए ग्रामसभा में उपलब्ध कराया जाएगा.

- प्रियंवदा म्हाडदलकर उपविभागीय अधिकारी

मजदूर यह मस्टर ऑनलाइन होने की वजह से मजदूरों को दिखाये नहीं जाते. ऑनलाइन मस्टर इन मजदूरों को देखने नहीं मिलते करके रोजगार गारंटी योजना की आदिवासी मजदूरों को गारंटी नहीं है. ऑनलाइन मस्टर ग्रामसभा के सामने मजदूरों को देखने के लिए रखना चाहिए, ऐसी मांग मजदूरों ने की है.

मंगाए जूते, पार्सल में निकली टूटी चप्पल

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

मोर्शी, 22 दिसंबर - वर्तमान युग डिजिटल युग है. ऑनलाइन व्यवहार बढ़ने से ई-कॉमर्स की साइट भी बड़े पैमाने पर बढ़ गयी है. हर चीज ऑनलाइन घर बैठे उपलब्ध होती है. लेकिन उसके साथ ही ऑनलाइन धोखाधड़ी भी बढ़ती जा रही है. मोर्शी में ऐसा ही एक मामला उजागर हुआ है. जहां ऑनलाइन जूता मंगाने पर पार्सल में टूटी चप्पल निकली है.

जानकारी अनुसार, स्थानीय गेडामपुरा निवासी संजय उल्हे ने ऑनलाइन शॉपिंग के माध्यम से सुविख्यात कंपनी के जूते मंगाए थे. कुछ दिन बाद उनके घर पार्सल आया. पार्सल खोलकर देखा तो उसमें टूटी चप्पल दिखाई दी. उन्होंने वह पार्सल वापस भेजने का निर्णय लिया है. जानकारों के अनुसार, कोई कंपनी इस तरह टूटी चप्पल नहीं भेजती. बीच में किसी ने जूते निकालकर उसमें पुरानी चप्पल रखी होगी, इसलिए ऑनलाइन खरीदी करते समय सतर्क रहने का आवाहन किया गया है.

ऑनलाइन शॉपिंग में धोखाधड़ी

डफाल दंपति के नाम पर फर्जी गोल्ड लोन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 दिसंबर - हमालपुरा निवासी व निजी नौकरी करने वाले प्रवीण सत्यवान डफाल व उनकी पत्नी के नाम परस्पर गोल्ड लोने दिया गया. यह फर्जी लोन किसने कब लिया, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं, अब दंपत्ति को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, गांधी चौक बेवजह सता रही है.

डफाल के मुताबिक, राजापेठ यूनियन बैंक शाखा में उनका व उनकी पत्नी कांचन का बचत खाता है. 12 जुलाई 2022 को बैंक से कॉल आया कि, पत्नी के नाम गोल्ड लोन है, जब बैंक में जाकर देखा तो प्रवीण और कांचन के नाम पर दो गोल्ड लोन दिखाए गए. एक लोन 4.94 लाख व दूसरा 5 लाख 17 हजार 668 का बताया गया, जबकि डफाल दंपति ने कोई लोन नहीं लिया.

मैनेजर ने बताया कि, डफाल दंपति के नाम 4 खाते हैं, जबकि प्रत्यक्ष में दो खाते हैं. इस संदर्भ में 13 अगस्त 2022 को राजापेठ थाने में शिकायत भी दी गई. बैंक के रिजनल मैनेजर प्रमोद पराते ने आश्वास्त कराया था कि खाता निल होगा और एनओसी प्रदान की जाएगी. तीन साल बैंक के चक्कर काटने पर भी लोन निल नहीं किया गया. आर्थिक अपराध शाखा के पीआई वैभव पानसरे ने डफाल दंपति का बयान लेकर आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया. डफाल दम्पति ने गोल्ड लोन निल कर एनओसी देने की मांग की है. बैंक कर्मचारी टालमटोल कर बेवजह पेरशान कर रहे हैं.

ऐसे सामने आया पूरा मामला

बाता दें कि, स्थानीय अकोली रोड परिसर के आंचल विहार कॉलोनी में रहने वाले उज्ज्वल मलसने नामक व्यक्ति ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की राजापेठ शाखा में अपना 100 ग्राम सोना गिरवी रखते हुए उस पर 3.30 लाख रुपये का कर्ज लिया था और कर्ज की किश्त अदा करने के बाद जब बैंक में गिरवी रखे अपने सोने के आभूषण वापस लिये तो पता चला कि उसे बैंक द्वारा नकली सोने के आभूषण दिये जा रहे हैं, ऐसे में उज्ज्वल मलसने द्वारा बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों पर

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में कारनामा

अपने साढ़े पांच लाख रुपये के असली सोने के गहने हड़प लिये जाने का आरोप लगाते हुए राजापेठ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी गई थी. जिसके आधार पर राजापेठ पुलिस ने 12 अगस्त को बैंक के स्थानीय प्रबंधन के खिलाफ जालसाजी का मामला दाखिल किया था. बैंक के कई लॉकरों में रखे असली सोने के आभूषणों को गायब करते हुए वहां पर नकली सोने के आभूषण रखे गये थे. साथ ही सबसे सनसनीखेज जानकारी तो यह थी कि, गोल्ड लोन से संबंधित 22 मामले ऐसे हैं, जिनमें कोई कर्जधारक ही नहीं है. यानी जिन नामों पर कर्ज आवंटित दिखाया गया है, उस नाम के किसी व्यक्ति ने बैंक से कर्ज ही नहीं लिया है और उस व्यक्ति को नाम पर नकली सोने के आभूषण को गिरवी दर्शाते हुए बैंक द्वारा कर्ज भी आवंटित कर दिया गया.

1.75 करोड़ के सोने की अदला-बदली

राजापेठ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के लॉकर में कर्जदार खाताधारक सोना गिरवी रखते हैं. बैंक के तत्कालीन मैनेजर जीत प्रेमचंद्र कुंद्रा (34, अजमेर, राजस्थान), गौरव पुरुषोत्तम शिंदे (42, महादेवखोरी), पवन अरूण तांडेकर (34, हमालपुरा), सतीश भोजने (36, हमालपुरा) ने पौने दो करोड़ के पांच किलो चार सौ ग्राम असली सोने को नकली में बदला, फर्जी खातेधारकों के नाम पर नकली सोने के आभूषण गिरवी दर्शाकर परस्पर कर्ज उठाकर निजी इस्तेमाल में उपयोग में लाया. कर्ज का यह महाघोटाला उजागर होते ही हड़कंप मचा था.

22 फर्जी कर्जधारकों के नाम कर्ज

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की राजापेठ शाखा के कुल 59 लॉकर्स में से 5400 ग्राम नकली सोना बरामद हुआ है. जिसमें से 37 लॉकर्स ऐसे हैं, जिनमें 37 ग्राहकों द्वारा गोल्ड लोन प्राप्त करने हेतु गिरवी रखे गये 2700 ग्राम असली सोनो के गहने रखे हुए थे और कर्ज की अदायगी के बाद इन गहनों को वापस लौटाना है. लेकिन अब इन 37 लॉकर्स में से नकली सोने के आभूषण बरामद हुए हैं. ऐसे में गोल्ड लोन कर्जधारकों में हड़कंप व्याप्त है. वहीं शेष 22 लॉकर्स में से 2700 ग्राम नकली सोना बरामद हुआ है. सर्वाधिक हैरत की बात यह है कि, यह सोना जिन कर्जधारकों की ओर से गिरवी दर्शाया गया है, उन खाताधारकों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से अपना कोई सोना गिरवी रखते हुए कर्ज ही नहीं लिया और उन्हें यह पता ही नहीं है कि उनके नाम पर कोई कर्ज भी आवंटित है. जिसका ब्याज उनके सिर पर चढ़ रहा है. यानी बैंक से वास्ता रखने वाले कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों ने जहां एक ओर बैंक के 37 कर्जधारक ग्राहकों का असली सोना हड़प करते हुए उनके साथ जालसाजी की. वहीं दूसरी ओर 22 ग्राहकों के नाम फर्जी तरीके से लोन केस बनाकर बैंक के लॉकर में नकली सोना रखते हुए कर्ज की राशि हासिल कर उसे आपस में बांट लिया और इस जरिये अपनी ही बैंक को चूना लगाया.

पुलगांव के अस्पताल को उपजिला का दर्जा दें

वर्धा, प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार,22 दिसंबर - पुलगांव के ग्रामीण अस्पताल को उपजिला अस्पताल का दर्जा देने की मांग शीतकालीन अधिवेशन में विधायक राजेश बकाने ने की. देवळी तहसील के अनेक गांव और अमरावती जिले के 15 गांव साथ ही पुलगांव शहर से नजदीकी 40 गांवों के मरीज पुलगांव के ग्रामीण अस्पताल में उपचार के लिये आते हैं. इस अस्पताल में सभी व्यवस्था रहने से इसे उपजिला अस्पताल का दर्जा देकर पदभर्ती की मांग की गयी है.